रेशम पालन से अधिक आय कमाएं
बहु आयामी खेती अपनाएं

🌿 क्या आप अपनी कृषि आय बढ़ाना चाहते हैं?

🌾 क्या आप अपने खेत में नई संभावनाएँ तलाश रहे हैं?

🐛 क्या आप रेशम पालन को अन्य कृषि प्रणालियों से जोड़कर अधिक लाभ कमाना चाहते हैं?

👉 अब समय है पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर एकीकृत कृषि अपनाने का!

रेशम पालन को अन्य कृषि प्रणालियों जैसे -

- ✅ पशुपालन (गाय, भैंस, बकरी)
- ✅ मछली पालन
- ✅ बागवानी (फलदार पेड़, सब्जियाँ)
- ✅ मधुमक्खी पालन (शहद उत्पादन)
- ✅ कुक्कुट पालन (मुर्गी, बत्तख)
- ✅ मशरूम उत्पादन

से जोड़कर किसानों को अधिक लाभ, प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग और कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त हो सकता है।

रेशम पालन को अन्य कृषि प्रणालियों से जोड़ने के फायदे:

- ✓ कम लागत में अधिक लाभ
- ✓ प्राकृतिक संसाधनों का पूरा उपयोग
- ✓ जैविक खेती को बढ़ावा
- ✓ किसी एक व्यवसाय पर निर्भरता खत्म, अन्य आय के साधन उपलब्ध
- ✓ जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से सुरक्षा

के.रे.बो -के.रे.उ.अ.प्र.सं., पाम्पोर प्रकाशन

बुलेटिन संख्या: 4 **प्रकाशन वर्ष: 2025**

प्रकाशक

निदेशक
डॉ. सरदार सिंह
केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान
केन्द्रीय रेशम बोर्ड
वस्त्र मंत्रालय - भारत सरकार
गलन्दर, पाम्पोर -192 121, जम्मू व कश्मीर

ई-मेल : csrtipam.csb@nic.in
csrtipam.csb@gmail.com
वेबसाइट: www.csrtipam.co.in

कॉपीराईट © केन्द्रीय रेशम बोर्ड

संकलितकर्ता : शिवम भारद्वाज, किरण आर, प्लाबनी रॉय, श्याम एस, जगदीश वर्मा, गुलज़ार ख़ान, इरफान इलाही, भरत कुमार, कुमरेसन पी एवं सरदार सिंह

रेशम पालन से समृद्धि की ओर एकीकृत कृषि मॉडल

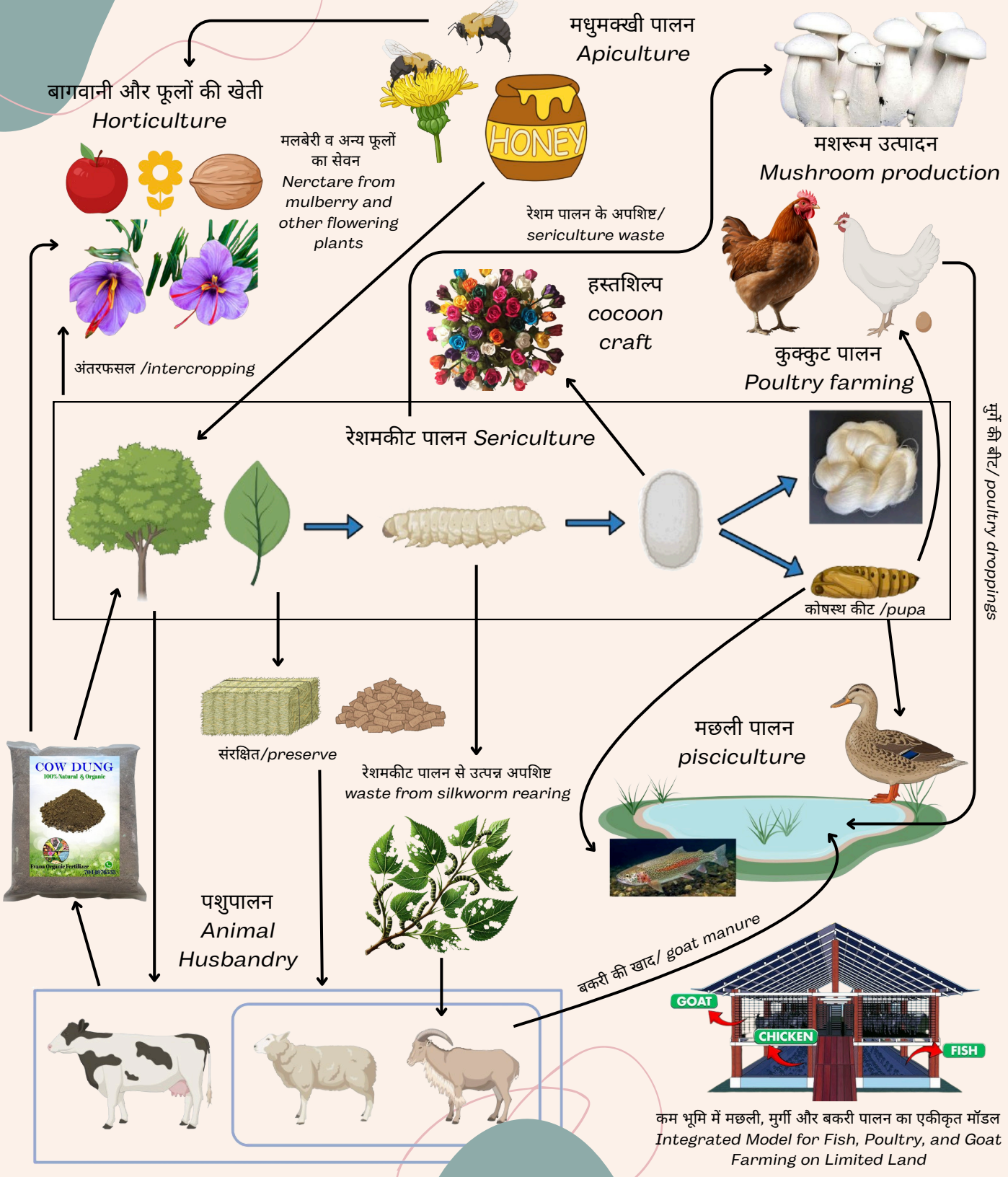

कम भूमि में मछली, मुर्गी और बकरी पालन का एकीकृत मॉडल
Integrated Model for Fish, Poultry, and Goat Farming on Limited Land

1 रेशम पालन + पशुपालन 🐑🐄

मलबरी पत्तियाँ भेड़, बकरी और गाय के लिए पौष्टिक चारा हैं। मवेशियों से उत्पन्न गोबर खाद खेत में अत्यंत लाभकारी सावित होती है।

2 रेशम पालन + बागवानी और फूलों की खेती 🍏🌻

मलबरी को सेब, अखरोट, केसर, और अन्य फूलों के साथ उगाकर अधिक मुनाफा कमाएं। रेशम कीट से निकलने वाले अवशेषों को जैविक खाद के रूप में उपयोग करें।

3 रेशम पालन + कुक्कुट पालन 🐔

रेशम कीटों की प्यूपा में प्रोटीन, वसा, और जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जिससे मुर्गियों को उच्च गुणवत्ता वाला आहार मिल सकता है। मुर्गी पालन से निकलने वाला कचरा मलबरी के पौधों के लिए बेहतरीन जैविक खाद बन सकता है।

4 रेशम पालन + मछली पालन (ट्राउट) 🐟

रेशम कीट की प्यूपा से ट्राउट मछलियों की वृद्धि तेजी से होती है। रेशम कीटों के मलमूत्र और अन्य अपशिष्ट मछली तालाबों की उपजाऊ क्षमता बढ़ाते हैं। ट्राउट मछली 8-9 महीनों में बिक्री योग्य वजन (250 ग्राम) तक पहुंच सकती है।

5 रेशम पालन + मशरूम उत्पादन 🍄

रेशम पालन के अपशिष्ट जैसे मलमूत्र और बची हुई पत्तियां मशरूम उगाने के लिए आदर्श हैं। हिमालयी कोर्डिसेप्स मशरूम, जो रेशम कीटों पर उगता है, अंतरराष्ट्रीय बाजार में महंगा बिकता है।

6 रेशम पालन + मधुमक्खी पालन (एपिकल्चर) 🐝🍯

मलबरी के फूल और अन्य फसलें मधुमक्खियों को पराग और अमृत देती हैं। शहद उत्पादन को बढ़ावा देकर अतिरिक्त आय अर्जित करें।

7 रेशम पालन + हस्तशिल्प 🎨

बेकार रेशम कोकून से सुंदर हस्तशिल्प बनाए जा सकते हैं। रेशम के फूल, ग्रीटिंग कार्ड, और सजावटी वस्तुओं की मांग अधिक है।